

आयोजनागत

संख्या: /XI/2011 56(26)2003 T.C.I

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त,
ग्राम्य विकास,
उत्तराखण्ड, पौड़ी।

ग्राम्य विकास अनुभाग देहरादून: दिनांक 17 जून, 2011
विषय:- प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में भूमि अधिग्रहण/एन0पी0वी0 का भुगतान की योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 267/5-लेखा-/146/पी0एम0जी0एस0वाई0/2011-12 दिनांक 3-5-2011 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में भूमि अधिग्रहण/एन0पी0वी0 का भुगतान योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2011-12 हेतु राज्य सरकार द्वारा वहन किये जाने वाले अंश से सर्वेक्षण, परीक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण, कन्सलटैन्सी सुपर विजन व्यय, निजी भूमि क्षतिपूर्ति, फसल क्षतिपूर्ति, भवन क्षतिपूर्ति मुआवजा, शासकीय सम्पत्ति क्षतिपूर्ति मुआवजा, क्षतिपूर्क वृक्षारोपण, एन0पी0वी0 मार्ग के दोनों ओर रिक्त स्थान पर वृक्षारोपण एवं वन भूमि सीमांकन स्तम्भ, पूर्ण मार्गों का अनुरक्षण, स्थापना, आकस्मिक व्यय आदि मदों के लिए प्रथम त्रैमास हेतु कुल रू0 1461.04 लाख (रुपये चौदह करोड़ इकसठ लाख चार हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वतन पर रखते हुए निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन नियमानुसार व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. अवमुक्त की जा रही धनराशि की मदवार/कार्यवार फॉट करते हुए तदनुसार नियमानुकूल धनराशि का आहरण कर नियमानुसार व्यय हेतु प्रश्नगत धनराशि मुख्य अभियन्ता, यू0आर0आर0डी0ए0 देहरादून को हस्तान्तरित की जायेगी। मदवार/ कार्यवार अनुमोदित धनराशि प्रश्नगत मद/कार्य पर ही व्यय की जाय।
2. उक्त धनराशि का आहरण स्वीकृत परिव्यय की सीमा तक ही किया जायेगा। धनराशि के दोहरे आहरण एवं भुगतान के लिए संबंधित आहरण वितरण अधिकारी एवं मुख्य अभियन्ता, यू0आर0आर0डी0ए0 देहरादून पूर्ण उत्तरदायी होंगे।
3. स्वीकृत धनराशि का आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जाय।

4. अवमुक्त की जा रही धनराशि से सर्व प्रथम क्षतिपूरक वृक्षारोपण, एन0पी0वी0 का भुगतान, मार्ग के दोनों ओर वृक्षारोपण, निजी भूमि प्रतिकर इत्यादि की देय धनराशि का भुगतान सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर की जाय।
5. धनराशि का आहरण तभी किया जायेगा जब पूर्व में आवंटित धनराशि का उपभोग कर लिया गया हों।
6. प्रतिपूर्ति दावों का निस्तारण नियमानुसार करते हुए जिन कार्यों के लिए धनराशि अवमुक्त की जा रही है, उन्हीं कार्यों/प्रयोजनों पर ही नियमानुसार व्यय की जायेगी। किसी भी दशा में धनराशि का व्यवर्तन नहीं किया जायेगा तथा मदवार/कार्यवार लक्ष्य, वित्तीय एवं भौतिक विवरण उपलब्ध कराया जाय।
7. योजना का नियमित अनुश्रवण/समीक्षा उनके आउटपुट एवं आउट कम लक्ष्यों की पूर्ति हेतु किया जायेगा और यदि वांछित आउटकम/आउटपुट की उपलब्धि नहीं होती/पायी जाती है, तो इस संबंध में पुनर्विचार किया जाय।
8. व्यय करने से पूर्व बजट मैनुवल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति/प्रोक्योरमेन्ट रूल्स, 2008 तथा अन्य तद्विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
9. अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजातियों के अंश के रूप में अवमुक्त की जा रही धनराशि को इन्हीं जातियों के कल्याणार्थ कराये जा रहे विकास कार्यों पर ही व्यय किया जाय।
10. धनराशि व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुवल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पहले स्वीकृति/सहमति सक्षम स्तर से प्राप्त कर ली जाय।
11. व्यय करने से पूर्व प्रकरणों का भली भाँति परीक्षण/निरीक्षण करते हुए सक्षम स्तर से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय। अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।
12. प्रश्नगत धनराशि का उपयोग उसी मद में किया जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। इस प्रकार एक मद की धनराशि दूसरी मद में कदापि व्यय न की जाय तथा योजना के किसी मद/कार्य की पूर्ति किसी अन्य योजना की धनराशि के अंश से कदापि न किया जाय।
13. अवमुक्त धनराशि का उपभोग दिनांक 31-3-2012 तक अनिवार्य रूप से कर लिया जाय तथा अप्रयुक्त अवशेष धनराशि को समयान्तर्गत समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

14. प्रश्नगत धनराशि व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत नियमों/आदेशों का तथा योजना के सम्बन्ध में भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा जारी/जारी होने वाले दिशा-निर्देशों एवं मितव्ययता सम्बन्धी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
15. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा पूर्व में आवंटित धनराशि का उपभोग प्रमाण-पत्र भारत सरकार एवं राज्य सरकार को उपलब्ध करायी जाय।
16. स्वीकृतियों का रजिस्टर रखा जाय और प्रत्येक माह में स्वीकृति/व्यय संबंधी सूचना अद्यतन करते हुए सूचना, स्वीकृतियों की प्रति सहित निर्धारित प्रपत्र बी०एम०-13 पर प्रत्येक माह की 05 तारीख तक शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 17 उपरोक्त प्रस्तर-1 से 16 तक के दिशा निर्देशों में विचलन होने की स्थिति में इसकी सूचना तत्काल वित्त विभाग को उपलब्ध करा दी जाय।
- 2- प्रत्येक कार्य पर धनराशि का आवंटन/व्यय उक्त कार्यों की अनुमोदित लागत सीमा तक ही किया जायेगा तथा साथ ही व्यय में निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन भी सुनिश्चित किया जाय।
- 3- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-19 के अधीन लेखाशीर्षक 4515-अन्य ग्राम विकास कार्यक्रमों पर पूंजीगत परिव्यय- 102-सामुदायिक विकास-आयोजनागत- 03- प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में भूमि अधिग्रहण / एन०पी०वी० का भुगतान -24- वृहत निर्माण कार्य की मद से **रु० 1125.00लाख** एवं अनुदान संख्या-30 के अधीन लेखा शीर्षक 4515-अन्य ग्राम विकास कार्यक्रमों पर पूंजीगत परिव्यय- 102-सामुदायिक विकास- आयोजनागत- 02- अनुसूचित जाति यों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान -0201- प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में भूमि अधिग्रहण/एन०पी०वी० का भुगतान -24- वृहत निर्माण कार्य की मद से **रु० 277.60 लाख** तथा अनुदान संख्या- 31 के अधीन लेखाशीर्षक 4515-अन्य ग्राम विकास कार्यक्रमों पर पूंजीगत परिव्यय- 796 जनजाति क्षेत्र उप योजना- आयोजनागत 01- प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में भूमि अधिग्रहण / एन०पी०वी० का भुगतान -24- वृहत निर्माण कार्य की मद से **रु० 58.44लाख** के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या:43(P) /XXVII(4) /2011 दिनांक 16 जून,2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)
सचिव

संख्या: 9/6 (1)/XI /2011 56(26)03T.C.I तददिनांक।

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1- महालेखाकार, (लेखा परीक्षा) कार्यालय महालेखाकार, वैभव पैलेस, सी-1, / 105, इन्दिरा नगर, देहरादून।
 - 2- महालेखाकार, (ए एण्ड ई), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर, रोड़, माजरा, देहरादून।
 - 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी / कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
 - 4- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
 - 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, पौड़ी, पौड़ी गढ़वाल।
 - 6- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
 - 7- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र उत्तराखण्ड, देहरादून।
 - 8- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड को मा0 मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।
 - 9- निजी सचिव, मा0 ग्राम्य विकास मंत्री, उत्तराखण्ड को मा0 मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
 - 10- निजी सचिव मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
 - 11- समस्त मुख्य विकास अधिकारी / जिला विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड।
 - 12- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
 - 13- मुख्य अभियन्ता, उत्तराखण्ड ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, सहस्त्रधारा रोड़, देहरादून।
 - 14- नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
 - 15- गार्ड फाईल

आज्ञा से,

(एस0सी0 बड़ोनी)
अपर सचिव।